

Sl. No. 227

C-DTN-J-BIB

**ANIMAL HUSBANDRY AND
VETERINARY SCIENCE**

Paper II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

All questions carry equal marks.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section 'A'

1. Write precisely on any *three* of the following in about 200 words each : 3×20=60
 - (a) Anatomical differentiation between foetal and adult circulation; and BLASTOCYST and BLASTODISC.
 - (b) Pharmacological role of ANTICHOLINERGIC agents.
 - (c) Clinical manifestations, diagnosis and treatment of copper and CYANOGENIC glycoside toxicosis.
 - (d) Zero Disease concept and CHEMOPROPHYLAXIS.

2. Differentiate between primary and secondary tympany in cattle. Discuss etiology, predisposing factors, clinical symptoms, diagnosis and treatment of Bloat/ruminal tympany. 60

3. Describe the etiology, transmission and epidemiology, pathogenesis, clinical findings, lesions, diagnosis, treatment and control of swine influenza. 60

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) स्पष्टता से लिखें : 3×20=60

(क) भ्रूण तथा वयस्क परिसंचरण के बीच शारीर विभेदीकरण; तथा कोरकपुटी एवं कोरक बिम्ब ।

(ख) कोलीनधर्मरोधी कारकों की फार्माकॉलोजिकल भूमिका ।

(ग) ताम्र तथा सायनोजेनिक ग्लाइकोसाइड आविषता की क्लिनीकल अभिव्यक्ति, निदान एवं उपचार ।

(घ) 'जीरो डिजीज' संकल्पना तथा रसायन रोगनिरोध ।

2. गोपशु में प्राथमिक तथा द्वितीयक आध्मान के बीच विभेदीकरण करें। अफरा/रोमांथिक आध्मान की हेतुकी, प्रवर्तनपूर्व घटकों, क्लिनीकल लक्षणों, निदान एवं उपचार की व्याख्या करें। 60

3. शूकर इन्फ्लुएँजा की हेतुकी, संचरण, जानपदिक-रोगविज्ञान, विकृतिजनन, क्लिनीकल लक्षण, विक्षतियां, निदान, उपचार एवं नियंत्रण का वर्णन करें। 60

4. Write short notes (about 200 words each) on the following : 3×20=60
- (a) Role of HYALURONIDASE and EPINEPHRINE in induction of local anaesthesia.
 - (b) The predisposing factors, symptoms, lesions, and prevention of fluorosis and ergotism.
 - (c) LUXATION — types, predisposing factors, and treatment.

Section 'B'

5. Write precisely on any *three* of the following in about 200 words each : 3×20=60
- (a) Notifiable diseases under Dourine Act 1910.
 - (b) The flow diagram with a brief mention of salient features for producing ready-to-cook chicken carcass from live bird.
 - (c) Procedure for preparation of cultured milk products of yoghurt and 'srikhand'.
 - (d) Occupational zoonotic diseases.
6. What do you mean by value-added meat products ? Give examples. Give the classification of different types of sausages. Using a typical flow diagram, describe various processing steps for manufacture of cooked sausages. 60

4. निम्नलिखित पर (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : 3×20=60
- (क) स्थानिक संवेदनाहरण के प्रेरण में हायल्यूरोनिडेज तथा एपिनेफ्रीन की भूमिका ।
- (ख) फ्लुओरोसिस तथा अर्गटाल्यय के प्रवर्तनपूर्व घटक, लक्षण, विक्षतियां एवं निवारण ।
- (ग) संधिभ्रंश — प्रकार, प्रवर्तनपूर्व घटक एवं उपचार ।

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) स्पष्टता से लिखें : 3×20=60
- (क) डॉयूरिन एक्ट 1910 के अंतर्गत अधिसूचनीय रोग ।
- (ख) जीवित पक्षी से पकाने-के-लिए-तैयार चिकन शव का उत्पादन करने की विधि का मुख्य अभिलक्षणों को संक्षेप में देते हुए प्रक्रम चित्र ।
- (ग) योगर्ट तथा 'श्रीखंड' के संवर्धित दुग्ध उत्पाद तैयार करने की विधि ।
- (घ) व्यावसायिक पशुजन्य रोग
6. वेल्यू-परिवर्धित मांस उत्पादों से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण दें । विभिन्न प्रकार के साँसेजों का वर्गीकरण दें । प्रारूपिक प्रक्रम चित्र का प्रयोग करते हुए पके हुए साँसेजों के निर्माण में आने वाले विभिन्न प्रवर्धन चरणों का वर्णन करें । 60

7. (a) What is the antimicrobial defence system of egg ? Comment on the fungal spoilage of egg. 25
- (b) Write down the functions of salt, sugar, nitrite, sodium ascorbate, polyphosphates, glucono- δ -lactone and spices in developing cured meat products. 20
- (c) What are the different techniques in meat speciation ? 15
8. (a) Comment on persistent ecotoxicology and its long term adverse effects. 20
- (b) Distinguish between radurization, radicidation and radapertization. Describe the principle, procedure and application(s) of ionizing radiation of meat products. Briefly comment on the safety perceptions with regard to irradiated meat. 40
-

7. (क) अंडे की प्रतिसूक्ष्मजीवी सुरक्षा प्रणाली क्या है ? अंडे की कवकीय 'स्पॉइलेज' पर टीका लिखें। 25

(ख) संसाधित मांस उत्पादों को तैयार करने में नमक, चीनी, नाइट्राइट, सोडियम एस्कॉर्बेट, पॉलीफॉस्फेट्स, ग्लूकोनो- δ -लैक्टोन तथा मसालों के प्रकार्य लिखें। 20

(ग) मांस प्रजातिकरण (मीट स्पीसिएशन) की विभिन्न तकनीकें क्या-क्या हैं ? 15

8. (क) चिरस्थायी पारिस्थितिक आविषविज्ञान पर और उसके दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभावों पर टिप्पणी लिखें। 20

(ख) रेड्यूरैजेशन, रेडीसीडेशन तथा रेडापर्टाइजेशन के बीच भेद बताएं। मांस-उत्पादों के आयनकारी विकिरण के सिद्धांत, प्रक्रिया तथा अनुप्रयोगों का वर्णन करें। विकिरणित मांस की सुरक्षा अवगम के विषय में संक्षेप में टिप्पणी करें। 40

C-DTN-J-BIB

पशुपालन तथा पशुचिकित्सा विज्ञान

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.